

not be collected in the current financial year. Subsidies should be given to the small and marginal farmers.

In view of this I demand that the Government of India should provide an assistance of Rs. 100 crores to Orissa to deal with the drought situation.

(ii) NEED FOR FIXING SUPPORT PRICE OF TURMERIC.

**SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU** (Chittoor): Turmeric otherwise known as Haldi is an important commercial crop in Andhra Pradesh and it ranks first in the country in Turmeric production.

The price of turmeric has crashed as never before. The present prices range between Rs. 160 to Rs. 230 per quintal as against Rs. 550 in 1969, Rs. 950 in 1977 and Rs. 910 per quintal in 1978.

It is thus seen that due to the steep fall in prices of turmeric, the producers are very much ruined. The income from the crop is much less than the cost incurred.

Whereas the cost of production of turmeric per acre works out to nearly Rs. 16,000, the income is only Rs. 4000 in that area. This data is given by Mahatma Phule Agricultural University in Sangli district of Maharashtra.

The Government has not yet fixed support price for turmeric as done in the case of other commercial crops. It is quite necessary to fix up the minimum price for turmeric to protect the producers. I, therefore, request the Government to fix up a minimum price of at least Rs. 700 per quintal for this commodity.

I also request the Government to enter into the market, purchase turmeric and have a buffer stock to protect the turmeric producers.

(iii) REPORTED DEATHS DUE TO SOME UNKNOWN DISEASE IN SIKAR (RAJASTHAN)

**श्री चतुर्भुज (झालावाड़):** जिला सीकर (राजस्थान) में भयंकर अज्ञात बीमारी के द्वारा अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है। समाचारपत्रों के अनुसार 30 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। इस अज्ञात बीमारी से पीड़ित लोगों को

तत्काल अस्पताल पहुँचाया गया और कुछ व्यक्तियों की तो जयपुर अस्पताल भी पहुँचाया गया लेकिन इस बीमारी के मरीजों को नहीं बचाया जा सका। अतः इस बीमारी का तत्काल निदान निकाला जाये। इस के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय अपनी ओर से विशेष डाक्टरों की नियुक्ति इस इलाके में करे ताकि इस भयंकर बीमारी के विस्तार को रोक जा सके और लोगों को बचाया जा सके।

(iv) NEED FOR EVICTING UNAUTHORISED OCCUPANTS OF GOVERNMENT QUARTERS IN GOLD MARKET AREA

**श्री आर० एन० राकेश (चंल):** गोल मार्केट के डी० आई० जेड० एरिया में रावर्ट स्क्वेअर, लेक स्क्वेअर तथा अन्य स्क्वेअरों में टाइप चार श्रेणी के एक मंजिले क्वार्टर कई वर्ष पहले से खाली पड़े हैं और इनमें असामाजिक तत्वों ने अपने अड्डे बना रखे हैं। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार इन असामाजिक तत्वों को बसाने के लिये जिम्मेदार हैं, जिनके कारण वहाँ आसपास के आवंटितियों को अकथनीय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, कुछ व्यक्तियों ने इन तत्वों के विरुद्ध मंदिर मार्ग थाने, पुलिस के उच्च अधिकारियों और सी० पी० डब्ल्यू० डी० के संबंधित इंजीनियरों को लिखित शिकायतें की हैं लेकिन उन की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

कई वर्ष पहले क्वार्टरों को खाली कराकर और उन्हें असामाजिक तत्वों के अड्डे बनाकर छोड़ देने से इस क्षेत्र में जहाँ एक ओर कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है और वैध आवंटितियों का जीना दूभर हो रहा है, वहाँ दूसरी ओर सरकार को किराये के रूप में प्राप्त होने वाले राजस्व की हानि हो रही है और अनेक सरकारी कर्मचारियों को सरकारी आवास का भी